केन-बेतवा लिंक : सैकड़ों मकान किए गए जमींदोज

प्रभावितों ने कहा कि बिना सही पुनर्वास के यह कार्यवाही उचित नहीं

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 मई। केन-बेतवा लिंक परियोजना क्षेत्रान्तर्गत आने वाले ग्रामों में मकानों के गिराने का सिलसिला जारी है जिसका व्यापक विरोध भी ग्रामीणों द्वारा यह कहकर किया जा रहा है कि ये विकास के विरोध में नही है लेकिन उन्हें शासन की गाईड लाईन के अनुसार सुरक्षित पुनर्वास की व्यवस्था किये बगैर यह कार्यवाही उचित नही है।

वहीं प्रशासन का कहना है कि मुआवजा नियमानुसार दिया जा चुका है। हासिल जानकारी के अनुसार केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत प्रभावित गांव गहदरा में भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अमले की मौजूदगी में कैचमेंट एरिया में आने वाले मकानों को तोड़ा गया। अभी तक सैकड़ों मकान जमींदोज कर दिये गये है।

तीसरे दिन शुक्रवार को भी सुबह से शुरू हुई कार्रवाई देर शाम तक चलती रही, जिससे पूरे गांव में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बना रहा। अधिकारियों की निगरानी में एक-एक कर मकानों को गिराया जाने लगा। इस दौरान ग्रामीणों, खासकर आदिवासी महिलाओं ने प्रशासन की कार्रवाई का विरोध किया और अपने घर बचाने की गुहार लगाई। कई महिलाएं भावुक होकर रोती नजर आईं। विस्थापितों का आरोप है कि मुआवजे के नाम पर उनके साथ अन्याय किया गया है। उन्हें जमीन और मकानों का उचित मूल्य नहीं मिला। वहीं 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवाओं को अलग विस्थापन पैकेज देने की मांग भी अधूरी है।

स्थायी और सम्मानजनक पुनर्वास की व्यवस्था नहीं

विस्थापितों का कहना है कि पीढ़ियों से बसे घरों को तोड़ा जा रहा है, लेकिन बदले में स्थायी पुनर्वास की व्यवस्था नहीं की गई। कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रशासन दबाव बनाकर जबरन मकान खाली करवा रहा है। लोगों का कहना है कि वे विकास के विरोध में नहीं हैं, लेकिन पुनर्वास और मुआवजे में पारदर्शिता चाहते हैं। दूसरी ओर प्रशासन का कहना है कि पूरी कार्रवाई शासन के निर्देश और नियमों के तहत की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार प्रभावित परिवारों को नियमानुसार मुआवजा वितरित किया जा चुका है और लंबे समय से लोगों को मकान खाली करने के लिए नोटिस दिए गए थे। गहदरा में लगातार चल रही इस कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र में हलचल बढ़ा दी है। कार्रवाई का विरोध में तेज हो रहा है।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस : जनभागीदारी से डेंगू को हराने का लिया संकल्प

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 मई। जिले में आज स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय डेंगू दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर पी तिवारी के निर्देशानुसार जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं और जिला मलेरिया कार्यालय में डेंगू से बचाव के लिए शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इसके साथ ही जिला एवं विकासखंड स्तर पर विशेष कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जिनमें डेंगू से बचाव और इसके प्रभावी नियंत्रण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए आशा, ए.एन.एम. और एम.पी.डब्ल्यू. जैसे क्षेत्रीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को डेंगू नियंत्रण के संबंध में विशेष प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

जांच करें, सफाई करें और ढकें, इस वर्ष की थीम - जिला मलेरिया अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष राष्ट्रीय डेंगू दिवस की थीम डेंगू नियंत्रण के लिये जन भागीदारी, जांच करें, सफाई करें और ढकें, रखी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि डेंगू फैलाने वाला एडीज मच्छर हमेशा घरों या आस-पास जमा साफ पानी में ही अपने अंडे देता है। इन अंडों से मात्र एक सप्ताह के भीतर नया मच्छर तैयार हो जाता है। इसलिए आमजन को जागरूक रहते हुए अपने घरों में एकत्रित पानी और कूलर के पानी को सप्ताह में कम से कम एक बार जरूर बदलना चाहिए। बर्तनों में रखे पानी को हमेशा ढककर रखें और आस-पास ऐसी कोई भी खाली सामग्री या कचरा न फेंकें जिसमें बारिश का पानी जमा हो सके। चूंकि यह मच्छर मुख्य रूप से दिन के समय ही काटता है, इसलिए सभी को पूरी बांह के कपड़े पहनने की सलाह दी गई है।

लक्षण दिखने पर खुद से न लें दवा

स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को सचेत किया है कि डेंगू के इलाज के लिए कोई विशेष दवा उपलब्ध नहीं है, इसलिए बचाव ही इसका एकमात्र सबसे प्रभावी उपचार है। यदि किसी व्यक्ति को तेज बुखार के साथ सिर दर्द, मांसपेशियों व जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, मुंह सूखना या शरीर पर लाल दाने और चकत्ते होने जैसे सामान्य लक्षण दिखाई देते हैं, तो उन्हें तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

रून्ज और मझगाय सिंचाई परियोजना से विस्थापित लोग स्वेच्छा से हटने लगे

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 मई। अजयगढ शासन की महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजना जो रून्ज परियोजना के नाम से अजयगढ़ पन्ना घाटी के नीचे चल रही है जिसमें शासन द्वारा कृषि क्षेत्र को सिंचित करने के लिए यह महत्वपूर्ण परियोजना निर्माणाधीन है इसमें ग्रामीणों द्वारा शासन स्तर पर मुआवजा पाने के बाद भी और मुआवजा की मांग को लेकर निर्माण कार्य बंद करवाने के प्रयास किए गए थे।

पन्ना कलेक्टर उषा परमार एवं जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीणों को भराव क्षेत्र से हटाने के लिए स्थानीय प्रशासन को निर्देशित किया गया था सिंचाई परियोजना के बांधों के भराव क्षेत्र से किसानों को प्रभावित परिवारों को शीघ्र हटाया जाए जिससे परियोजना को गति मिल सके इसी क्रम में स्थानीय प्रशासन द्वारा भराव क्षेत्र के प्रभावित लोगों को हटाना प्रारंभ किया। प्रशासन द्वारा शक्ति दिखाते हुए मुआवजा पाने के बाद भी अपने मकान एवं भूमि खाली करवाने के लिए प्रयास किए गए क्योंकि इस परियोजना में इस वर्ष कुछ जल भरा भी किया जाना है जिससे ग्रामीण प्रभावित न हो इसलिए भराव क्षेत्र खाली करवाने पर प्रशासन की विशेष रुचि रही है यह अजयगढ़ तहसील की ग्राम विश्रमगंज में जलभराव क्षेत्र में कुल मकान 375 क्षेत्र आते हैं इनका सभी का प्रशासन स्तर पर भूमि एवं मकान का मुआवजा दिया जा चुका है प्रशासन ने कुछ मकानों को शक्ति से गिराया भी है और समझायस देकर भी लोगों को वहां से हटाया गया जिसमें से पूर्व में कुल 100 लोगों द्वारा स्यम से अपने मकान डूब क्षेत्र से छोड़ दिए गए थे प्रशासन की कार्यवाही के बाद 16 मई तक लगभग 300 मकान भराव क्षेत्र के खाली कर दिए गए हैं अव शेष 75 मकान पर लोग अपने मकान ठाट बाली निकाल कर स्वयं से खाली कर रहे हैं जो प्रशासन से मोहलत लेकर शीघ्र खाली करवाने का आश्वासन दिया है प्रशासन द्वारा प्रभावित भराब क्षेत्र के लोगों को गंतव्य स्थान तक अपना घर गृहस्ती का सामान ले जाने के लिए बाहन की सुविधा उपलब्ध कराई क्योंकि स्थानीय ग्रामीणों द्वारा प्रशासन से मांग की गई थी कि हम लोगों को सम्मान ले जाने के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

अजयगढ़ तहसील की पश्चिम की ओर हर घर नल योजना एवं सिंचाई परियोजना के तहत बनने वाला मझगाय डैम में भी भराव क्षेत्र में तीन गांव प्रभावित हो रहे हैं जिसमें बालूपुर बनहरी कुवरपुर गांवों प्रभावित है वालूपुर गांव के 120 मकान प्रभावित हो रहे हैं पूर्व में इस परियोजना में वालूपुर में एक भी मकान खाली नहीं हुए थे अब प्रशासन की कार्यवाही के बाद बालूपुर में लगभग 55 मकान खाली करवाए गए हैं 16 मई तक खाली करवा दिए गए हैं यहां भी प्रशासन के द्वारा ग्रामीणों को परिवहन सुविधा उपलब्ध करा कर भराव क्षेत्र के लोगों का सामान ले जाने में मदद की है अब लोग स्वयं प्रशासन के पास पहुंचकर मोहलत लेकर अपने-अपने स्वेच्छा से मकान भराव क्षेत्र से खाली कर रहे हैं क्योंकि उनको शासन द्वारा मुआवजा प्राप्त हो चुका है और इस साल दोनों सिंचाई परियोजनाओं के बांधों में जल भराव किया जाना है जिससे इस महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में जल भराव की शुरुआत हो सके भराव क्षेत्र में जो ग्रामीणों के मकान बने हुए हैं उनको किसी तरह की कोई क्षति नहीं पहुंच सके।

इनका कहना है

रून्ज मजगांय सिंचाई बांध परियोजना के भराव क्षेत्र के प्रभावित लोग प्रशासन की कार्यवाही के बाद एवं समझायस से स्वेच्छा से अपने मकान खाली कर रहे हैं प्रशासन उनको परिवहन सुविधा उपलब्ध करा रही है इस महत्वाकांक्षी सिंचाई परियोजना में इस वर्ष जल भराव किया जाना है जिससे यह परियोजना समय पर पूर्ण हो सके

सुरेंद्र कुमार तहसीलदार अजयगढ़

तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य प्रारंभ, ऑक्शन में मिली रिकॉर्ड कीमतें

लाभान्वित होंगे हजारों ग्रामीण संग्राहक

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 मई। दक्षिण पन्ना वनमण्डल अंतर्गत वर्ष 2026 के तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य का शुभारंभ हो गया है। आगामी लगभग 10 दिनों तक दक्षिण पन्ना की 14 प्राथमिक लघुवनोपज सहकारी समितियों के अंतर्गत संचालित लगभग 220 फड़ों (तेंदूपत्ता संग्रहण केंद्रों) पर तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य किया जाएगा।

इस वर्ष दक्षिण पन्ना में लगभग 17,400 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एक मानक बोरे में 1000 तेंदूपत्ता गड्डियां तथा प्रत्येक गड्डी में 50 तेंदूपत्ते होते हैं। शासन द्वारा निर्धारित संग्रहण पारिश्रमिक 4000 प्रति मानक बोरा है, अर्थात संग्राहकों को 400 प्रति सैकड़ा गड्डी अथवा 4 प्रति गड्डी की दर से भुगतान प्राप्त होगा। अनुमान है कि इस प्रक्रिया के माध्यम से ग्रामीण एवं आदिवासी तेंदूपत्ता संग्राहकों के खातों में सीधे लगभग 7 करोड़ की राशि अंतरित की जाएगी। विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह है कि दक्षिण पन्ना की सभी 14 समितियों के तेंदूपत्ता लॉट्स का विक्रय पहले ही संपन्न हो चुका है तथा इस वर्ष नीलामी में ऐतिहासिक रूप से सर्वाधिक दरें प्राप्त हुई हैं। पहली बार दक्षिण पन्ना में तेंदूपत्ता लॉट्स की औसत ऑक्शन कीमत 5000 प्रति मानक बोरा से ऊपर पहुंची है। वर्ष 2026 में औसत विक्रय दर 5261 प्रति मानक बोरा दर्ज की गई, जो पिछले वर्षों की तुलना में सर्वोच्च है। बेहतर नीलामी दरों का सीधा लाभ तेंदूपत्ता संग्राहकों को भविष्य में मिलने वाले बोनस एवं प्रोत्साहन पारिश्रमिक के रूप में प्राप्त होगा।

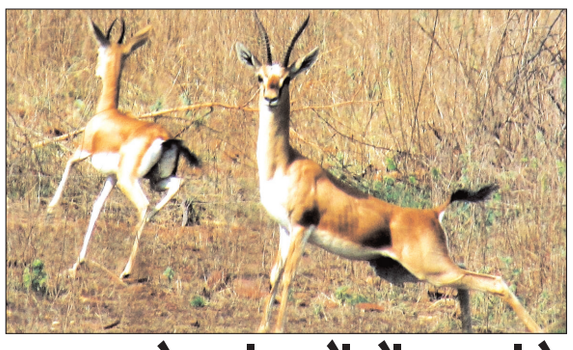

कल्दा के जंगलों में कुलांचे भरते दिखे चिंकारा

वनरक्षक ने कैमरे में किया कैद

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 मई। दक्षिण पन्ना वनमंडल के कल्दा क्षेत्र के जंगलों में वनरक्षक वीरेन्द्र पटेल ने भारतीय गज़ेल अर्थात चिंकारा के एक सुंदर जोड़े को अपने कैमरे में कैद किया है। अपनी शर्मीली प्रवृत्ति और तेज गति के लिए पहचाने जाने वाले चिंकारा की इस प्रकार की जीवंत तस्वीरें बहुत कम देखने को मिलती हैं।

यह जीव बहुत कम पानी में भी जीवित रहने की क्षमता रखता है तथा अपनी अधिकांश जल आवश्यकता वनस्पतियों एवं घास से पूरी कर लेता है। अपनी अद्भुत सतर्कता, तीव्र दृष्टि और तेज दौड़ने की क्षमता के कारण चिंकारा को रेगिस्तानी एवं शुष्क क्षेत्रों का अत्यंत अनुकूलित वन्यजीव माना जाता है। खतरा महसूस होने पर यह कई फीट ऊँची छलांग लगाते हुए तेज गति से दौड़ सकता है, जो इसे शिकारी जीवों से सुरक्षित रहने में मदद करता है।

लापरवाह पीआईयू ईई की अनुपस्थिति को लेकर प्रभारी मंत्री नाराज

▶ एससीएन जारी करने के निर्देश

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 मई। गत दिवस जिले के प्रभारी मंत्री एवं मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार में विकास कार्यो की समीक्षा के दौरान अनुपस्थित पीआईयू के कार्यपालन यंत्री पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुये कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये है।

यह नाराजगी जिले के सांदीपनी स्कूल भवनों के अपूर्ण होने को लेकर जाहिर की गई है। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शासन की जनहितैषी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लोक निर्माण विभाग की परियोजना क्रियान्वयन इकाई (पीआईयू) की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए प्रभारी मंत्री ने अनुपस्थित कार्यपालन यंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। मंत्री ने जिले के चार सांदीपनि विद्यालय भवनों का कार्य शीघ्र पूरा कर हैंडओवर करने को कहा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा के दौरान आवास योजना के तहत राशि मिलने के बावजूद मकान निर्माण नहीं करने वाले हितग्राहियों की जांच के निर्देश दिए गए।

पास्को एक्ट का दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार

देवेन्द्रनगर थाना का मामला

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 मई। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू द्वारा जिले में गंभीर अपराधों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

उक्त निर्देशों के पालन में विशेष पुलिस टीमों का गठन कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना देवेन्द्रनगर में दर्ज अपराध धारा 137(2), 65(1), 64(2)(ड), 87, 142 बीएनएस, पॉस्को एक्ट एवं एससी,एसटी एक्ट के अंतर्गत प्रकरण में आरोपी सुमित साहू को पूर्व में राजकोट गुजरात से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था। उक्त प्रकरण में दूसरा आरोपी रामचरण साहू घटना दिनांक से फरार चल रहा था जिसकी लगातार तलाश की जा रही थी।

कल्दा को डाक विभाग की उन्नत पार्सल ग्राहक सुविधा का लाभ

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 मई। दक्षिण पन्ना वनमण्डल की कल्दा रेंज में पदस्थ वनरक्षक सूर्य प्रताप बघेल के विशेष प्रयासों से वन धन विकास केंद्र कल्दा को भारतीय डाक विभाग द्वारा उन्नत पार्सल ग्राहक सुविधा का लाभ प्राप्त हुआ है।

इस सुविधा के अंतर्गत केंद्र को एक विशिष्ट ग्राहक पहचान संख्या प्रदान की गई है, जिससे पार्सल सेवाओं का संचालन अधिक सुगम एवं व्यवस्थित हो सकेगा।

साथ ही, डाकघर में प्राथमिकता आधारित सेवा मिलने से अब पार्सल बुकिंग हेतु लंबी कतारों में प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। इसके अतिरिक्त, वन धन विकास केंद्र को स्व-बुकिंग सुविधा, कैशलेस भुगतान व्यवस्था एवं मासिक बिलिंग सुविधा जैसी आधुनिक सेवाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

पन्ना, 16 मई। न्यायिक मजिस्ट्रेट बिन्दु पटेल एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी अतुल सेन द्वारा आज पन्ना शहर में स्थित वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर विधिक साक्षरता शिविर भी लगाया। उपस्थित वर्कर्स सहित महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न विधिक अधिकार और प्रावधान बताए गए। प्रशासक कविता पाण्डेय ने सेंटर द्वारा प्रदत्त सुविधाओं की जानकारी दी। इस दौरान वन स्टॉप सेंटर स्टॉफ भी उपस्थित थे।

अवैध हीरा खदानों की बढ़ोत्तरी के साथ ही बड़े हीरे मिलने की संख्या में हुई बढ़ोत्तरी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 मई। हीरा जैसे बहुमूल्य रत्न को उगलने वाली हीरा नगरी पन्ना में देखा जाये तो स्वीकृत खदानों से लगभग 50 गुना अवैध हीरा खदानें चल रही है। इन्हीं अवैध हीरा खदानों के कारण कुछ बड़े हीरे वैध खदानों के नाम पर जमा होने में बढोत्तरी भी हुई है। हालांकि यह बढोत्तरी महज कुल हीरा मिलने की 10 प्रतिशत ही कही जा सकती है क्योंकि 90 प्रतिशत हीरे ब्लेक मार्केट में बेंचे जा रहे है।

दो साल में मिले बड़े हीरों पर नजर डाली जाये तो वर्ष 2018 में 42.59 कैरेट का हीरा कृष्णा कल्याणपुर पटी की हीरा खदान से मोतीलाल प्रजापति को मिला था। यह ही 2.55 करोड़ में बिका था। इसके बाद 2019-2020 में 29.46 कैरेट का हीरा कृष्णा कल्याणपुर पटी की ही हीरा खदान में बृजेश कुमार उपाध्याय को मिला था। यह नीलामी में 1.16 करोड़ में बिका। इसके अलावा 18.13 कैरेट का हीरा 72 लाख 61 हजार मे बिका था।

ऐसे मिलता है हीरा खदान का पट्टा:- हीरा खदान लगाने के इच्छुक व्यक्ति को जिला हीरा कार्यालय में 200 रूपये के चालान के साथ आवेदन देना होता है। हीरा विभाग मामले में हल्का पटवारी सहित अन्य विभागों से अभिमत मंगवाता है। पूरी प्रक्रिया में दो सप्ताह तक का समय लगता है। कर्मचारी चाहे गए क्षेत्र में आठ बाई आठ मीटर का क्षेत्र चिन्हित करके खदान संचालक को सौंप देता है। ग्रेवल मिलने तक खोदने की अनुमति होती है।

मिट्टी से ऐसे निकाला जाता है हीरा:- उथली हीरा खदानों तक ग्रेवल या चाल मिलने तक खोदते हैं। ग्रेवल को खदान से निकालकर सुरक्षित भंडारित कर लिया जाता है। यदि खदान जल स्त्रोत के आसपास है तो इसे धोया जा सकता है। यहां ग्रेवल को धोने का अधिकांश काम बारिश के दिनों में होता है। धुलाई के दौरान चाल की मिट्टी को पानी से धुलकर बहा दिया जाता है। इसमें बचे कंकड पत्थर को सूखने के लिये धूप में डाल दिया जाता है। इन्हीं कंकड पत्थरों के बीच हीरा होता है। जिसे बिनाई के दौरान कंकडों के बीच से बीना जाता है।

दो सर्किल में दिए जा रहे खदानों के पट्टे:- हीरा कार्यालय की ओर से वर्तमान में पन्ना और इटवां दो सर्किल में निजी और शासकीय भूमि में हीरा के पट्टे जारी किए जा रहे हैं। पन्ना सर्किल में दहलान चौकी, सकरिया चौपड़ा, सरकोहा, कृष्णाकल्याणपुर पटी, राधापुर और जनकपुर। वहीं इटवां सर्किल में हजारा मुड्डा, किटहा, रमखिरिया, बगीचा, हजारा और भरका आदि क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा हीरा धारित पट्टी का 2 हजार हैक्टेयर क्षेत्र वन भूमि में चला गया है। जिससे उस क्षेत्र के पट्टे जारी नहीं किए जाते हैं।

बडे नायाब हीरों की लिस्ट में यह हीरा भी हुआ शामिल:- हीरा अधिकारी पटेल बताया है कि 25 कैरेट से अधिक वजन वाले जेम क्वालिटी के हीरों को बेशकीमती और नायाब श्रेणी में रखा जाता है उस लिहाज से यह ग्यारवां बडा हीरा है जो हीरा कार्यालय में विधिवत जमा किया जाता है। हीरा अधिकारी पन्ना रवि पटेल बताते हें कि बीते तीन वर्ष के दौरान मिले हीरों में यह चौथा बडा हीरा है। इसके पूर्व पन्ना के ही गरीब मजदूर मोतीलाल को वष 2018 में 42 कैरेट 59 सेंट वजन का बेशकीमती नायाब हीरा मिला था। यह 42.59 कैरेट वजन वाला नायाब हीरा खुली नीलामी में 6 लाख रू. प्रति कैरेट की दर से 2 करोड 55 लाख रू. में बिका था, जिसे झांसी उप्र के निवासी राहुल अग्रवाल ने खरीदा था। इसी तरह वर्ष 2019 में पन्ना शहर के बडा बाजार निवासी बृजेश उपाध्याय को 29.46 कैरेट वजन का बेशकीमती हीरा मिला। इन तीन वर्षो के दौरान 21 फरवरी सोमवार को पन्ना की कृष्णाकल्याणपुर उथली हीरा खदान क्षेत्र में मिला 26.11 कैरेट वजन का चौथा बडा हीरा है जो उज्वल किस्म का हीरा है। हीरा अधिकारी श्री पटेल ने बताया कि इस बडे हीरे को 24 फरवरी से शुरू होने वाली नीलामी में रखा जायेगा। नीलामी में हीरे की नीलामी में हीरे की बिक्री होने पर शासन की रायल्टी काटने के बाद शेष राशि हीरा धारक को प्रदान की जाएगी। बेशकीमती हीरों के लिए प्रसिद्ध मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में स्थित देश के इकलौते हीरा कार्याल पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यहां की रत्नगर्भा धरती से भले ही बेशकीमती हीरे निकलते हैं। लेकिन इन हीरों की चमक यहां कहीं नजर नहीं आती। शासन की अनदेखी और उपेक्षा के चलते पन्ना स्थित हीरा कार्यालय भी बंद होने के कगार में जा पहुंचा है। पिछले कई वर्षो सेइस कार्यालय में कर्मचारियों के रिटायर होने पर उनकी जगह किसी की पदस्थापना नहीं हुई, फलस्वरूप इस कार्यालय के ज्यादातर पद खाली पडे हैं। आलम यह है कि देश का यह इकलौता हीरा कार्यालय एक लिपिक व एक हीरा पारखी के सहारे संचालित हो रहा है।

वैध और अवैध दोनों खदानों की संख्या बढ़ी

बीते साल हीरा कार्यालय की ओर से 711 उथली हीरा खदानों के पट्टे जारी किए गए थे। जो तीन सालों मे सबसे अधिक थे। जबकि यदि देखा जाये तो पन्ना से लेकर पहाडीखेरा तक लगभग 3 हजार हीरा खदानें चल रही है जो स्वीकृत से कई गुना अधिक कही जा सकती है। जिले की हीरा धारित पट्टी का बडा क्षेत्रफल वन भूमि मे हैं। जहां हीरा खदानों के लिये वैधानिक रूप से पट्टे जारी नहीं होते हैं। इससे बड़ी संख्या में लोग अवैध रूप से हीरा खदानों में चला रहे हैं। बीते दिनों एसडीएम पन्ना ने सरकोहा के जंगल में चल रही अवैध हीरा खदानों के खिलाफकार्रवाई की। हीरा खदानों से निकालकर रखी गई हीरे की चाल के 29 छोटे बडे डंपों को जब्त किया था, जिसमें 44 हजार 772 घन मीटर चाल जब्त की गई थी। जिसकी अनुमानित कीमत एक करोड़ से भी अधिक हो सकती है।

58 साल में मिले बड़े हीरे

क्रमांक वर्ष	वजन कैरेट में	जिसे हीरा मिला	खदान
1961	44.55	रसूल मोहम्मद	महुआ टोला
2018	42.59	मोतीलाल प्रजापति	पटी
1966	40.19	मझली कुम्हारिन पन्ना	महलोन का सेहा
1970	39.00	नारायण पन्ना	पुखरी
1984	36.80	रहमान, देवेंद्रनगर	जनकपुर
1991	34.70	मुतियां गौड, सकरिया	सकरिया
1970	29.69	तीरथ प्रसाद, चित्रकूट	महुआटोला
1969	28.13	पीर मोहम्मद, पन्ना	खिन्नी घाट
1968	26.32	रामप्रसाद	कुडारबरम की खईया
1679	24.29	बाबूलाल चौरसिया	हर्रा चौकी

बाइक से गिर कर महिला की मौत

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 मई। पन्ना जिले में भीषण गर्मी के कारण एक महिला की बाइक से चक्कर खाकर गिरने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार नेहा आदिवासी 21 साल अपने पति राहुल आदिवासी के साथ बड़ामलहरा स्थित अपने ससुराल लौट रही थी। वे शुक्रवार सुबह अपने मामा के घर भुईपुरा से एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस आ रहे थे।

यह घटना पांडवन के पास रास्ते में हुई। स्वजनों ने बताया कि गर्मी और लू के कारण नेहा की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे चलती बाइक में चक्कर आया, जिससे वह संतुलन खो बैठी और सीधे सड़क पर गिर गई। सिर के बल गिरने से नेहा को गंभीर चोटें आईं। स्वजन उन्हें अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी नाजुक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल पन्ना रेफर कर दिया।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने किया जेल का निरीक्षण

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शरद चन्द्र सक्सेना द्वारा शुक्रवार को जिला जेल पन्ना का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान जेल किचिन में भोजन व्यवस्था सहित बंदियों के उपयोग के खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता तथा बैरक, जेल अस्पताल, व्हीसी कक्ष व कियोस्क, मुलाकात एवं उद्यमिता कक्ष इत्यादि का पृथक-पृथक निरीक्षण कर स्वच्छता और हाइजीन की सूक्ष्म जानकारी ली गई। बंदियों के भोजन की गुणवत्ता भी परखी। प्रधान जिला न्यायाधीश ने सभी बंदियों से मुक्त चर्चा कर समस्याओं और प्रकरणों के बारे में पूछा तथा बंदियों की समस्याओं के निराकरण के लिए जेल प्रशासन को निर्देशित किया गया।